epaper
हिन्दुस्तान

कैबिनेट का फैसला, 7.5 लाख लोगों को इस क्षेत्र में रोजगार मिलने की उम्मीद

70 कलपुर्जा कंपनियों की पीएलआई मंजूर

12/03/2022

नई दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्यूरो। देश के वाहन कलपुर्जा उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने और सेमीकंडक्टर की कमी से निजात दिलाने के लिए सरकार ने शुक्रवार को 70 कंपनियों को उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के लिए चुन लिया है। इससे वाहन कलपुर्जा उद्योग में 7.5 लाख नए रोजगार मिलने की उम्मीद है।

पीएलआई स्कीम की अधिसूचना पिछले साल सितंबर में जारी की गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहन कलपुर्जा उद्योग में अगले पांच साल में 2.31 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त उत्पादन हो सकेगा। पीएलआई स्कीम के तहत चुने गए वाहन कलपुर्जा में करीब आठ से 13 फीसदी कंपोनेंट्स ऐसे हैं जो सुरक्षा, फ्लेक्स फ्यूल, सीएनजी, एलएनजी, माइलेज बढ़ानें वाले कलपुर्जे और सेंसर से संबंधित हैं। जबकि इसमें से 13 से 18 फीसदी हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिकल वाहन से संबंधित हैं। इन कंपनियों की सूची में मारुति, टोयोटा कंपोनेंट, बोश, मिंडा इंडस्ट्रीज, टाटा ऑटो कंपोनेंट और भारत फोर्ज का नाम भी शामिल है।

27 फीसदी हिस्सेदारी है चीनी ऑटो पार्ट्स उद्योग की भारतीय बाजार में

57 अरब डॉलर का वाहन कलपुर्जा उद्योग है भारत का

सुविधा

15 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ वाहन कलपुर्जा उद्योग में

सेमीकंडक्टर की कमी जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं, नए नियमों से लागत

बढ़ी है, जिसों की कीमत और लॉजिस्टिक कीमतें भी बढ़ी हैं, इससे वाहन उद्योग में बिक्री प्रभावित हुई है। **राजेश मेनन,** महानिदेशक, सियाम

सेमीकंडक्टर की कमी के चलते फरवरी में वाहनों की आपूर्ति में 23 फीसदी की गिरावट: सियाम

रूस के प्रतिबंध से और गहराएगा संकट

वाहन उद्योग के निकाय सियाम ने शुक्रवार को कहा कि सेमीकंडक्टर (चिप) की कमी और आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के कारण उत्पादन प्रभावित होने और नए नियमों के लागू होने से वाहनों की कीमतों में वृद्धि के कारण मांग परिदृश्य प्रभावित होने से कारखानों से डीलरों को गाड़ियों की आपूर्ति फरवरी 2022 में 23 फीसदी घट गई। सियाम ने कहा कि फरवरी 2022 में कुल यात्री वाहनों, दो पहिया वाहनों और तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री 13,28,027 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष इसी महीने की 17,35,909 इकाई के मुकाबले 23 फीसदी कम है। फरवरी 2022 में यात्री वाहनों की कुल आपूर्ति छह फीसदी घटकर 2,62,984 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष समान महीने में 2,81,380 इकाई थी। यात्री कारों की थोक बिक्री पिछले महीने 1,33,572 इकाई रही जो फरवरी 2021 में 1,55,128 इकाई थी। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों की बिक्री फरवरी 2021 की 1,14,350 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने बढ़कर 1,20,122 इकाई हो गई। पिछले महीने वैन की 9,290 इकाइयां बिकीं जो फरवरी 21 की 11,902 इकाइयों की तुलना में कम है।

यूक्रेन-रूस युद्ध के मद्देनजर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद रूस ने 200 से ज्यादा उत्पादों सहित कारों और ऑटो पार्ट्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इससे न सिर्फ रूस बल्कि दुनिया भर में ऑटो उद्योग प्रभावित हो रहा है। इससे ऑटो निर्माताओं के सामने चल रहे सेमीकंडक्टर चिप का संकट और भी गहरा जाएगा। कार और ऑटो पार्ट्स के निर्यात पर रूस का प्रतिबंध इस साल के आखिर तक रहेगा।